IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 2, Issue 2, July 2022
Impact Factor: 6.252

"शिक्षा एवं सामाजिक परिवर्तन : का एक अध्ययन" (रीवा जिले के विशेष संदर्भ में)

डॉ. किरण सिंह[1] and आनन्द कुमार साहू[2]
Head, Department of Sociology[1]
Research Scholar, Department of Sociology[2]
Government Girls College, Satna, Madhya Pradesh, India

सारांश
परिवर्तन शाश्वत सत्य एवं सनातन है। प्रकृति में परिवर्तन की प्रक्रिया निरंतर क्रियाशील रहती है, जड़ता प्रकृति के विपरीत है और गत्यात्मकता अनुकूल। पृथ्वी, सूर्य और चॉद तारे सब कुछ परिवर्तन का ही परिणाम है। भूगोलवेत्ताओं का मत है कि सर्वप्रथम संपूर्ण ब्रह्माण्ड एक पिण्ड था, जो प्राकृतिक परिवर्तनों के कारण पिघलकर टुकड़ों के रूप में विभिन्न ग्रहों के रूप में प्रकट हुआ। समाज इसी परिवर्तनशील जगत का अंश है इसीलिए समाज भी एक गत्यात्मक संख्या है और उसमें परिवर्तन उसकी गत्यात्मकता का ही परिणाम है। आदिम युग या आखेट युग से विकसित होता हुआ मानव समाज आज औद्योगिक एवं वैज्ञानिक युग तक आ पहुॅचा है। विज्ञान एवं तकनीकी विकास ने परिवर्तन को प्रक्रिया को और गति प्रदान की है। तीव्रगति से परिवर्तन हो रहे मानव समाज के प्रत्येक पक्ष में यथा–शैक्षिक, आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक कारण जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में परिवर्तन परिलक्षित हो रहा है। इन परिवर्तनों के मूल में निश्चित रूप से शिक्षा का योगदान समाहित है, क्योंकि शिक्षा सामाजिक परिवर्तनों की वाहक है। एक ओर जहॉ शिक्षा ने सामाजिक परिवर्तनों में योगदान किया है, वहीं दूसरी ओर शिक्षा में परिवर्तनों को सामाजिक परिवर्तनों की गति दी है। फलतः शिक्षा का रूप बदला है, उसमें नवीन आयामों, नवीन पक्षों और नवीन विचारधाराओं को सम्मिलित किया गया है।

Keywords: सामाजिक, शिक्षा, परिवर्तन, शैक्षणिक, विकास आदि।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची :–

1. सिद्दीकी, एस.ए. (2004)–मध्य प्रदेश सम्पूर्ण अध्ययन, उपकार प्रकाशन, आगरा।
2. Flick, Uwe (1996)- An Introduction to qualitative research, SAGE Publications. London.
3. MHRD (1986)- National Policy of Education, New Delhi.
4. शुक्ल सुरेशचन्द्र एवं कृष्ण कुमार (2008)–शिक्षा का समाजशास्त्रीय संदर्भ, ग्रन्थ शिल्पी, प्रा. लि. लम्मीनगर, नई दिल्ली।
5. अग्रवाल, जे.सी. (1994)– राष्ट्रीय शिक्षा नीति, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. आहूजा, राम (2001) – सोशल प्राब्लम्स इन इण्डिया, रावत पब्लिकेशन्स, जयपुर।